

स्मार्ट सिटी 4.0 को-इनोवेशन लैब...

प्रौद्योगिकी से होगा शहरी समस्याओं का समाधान

स्था नीय समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए अगले साल इलाहाबाद में देश का पहला सिटी को-इनोवेशन लैब स्थापित होने की संभावना है। इसमें स्मार्ट सिटी के आधारभूत ढांचों को विकसित करने के लिए प्रौद्योगिकी तैयार की जाएगी।



इस लैब के पीछे केन्द्र सरकार की सोच है कि आयातित मॉडल्स और तकनीक के आधार पर स्मार्ट सिटी का स्थायी विकास संभव नहीं है। शहरी समस्या का स्थायी समाधान स्थानीय तकनीक व जनसहभागिता के आधार पर ही हो सकता है। इस बात को केंद्र में रखते हुए यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया स्टेटजिक पार्टनरशिप फोरम और 1एम1बी (वन मिलियन फॉर वन बिलियन) के सहयोग से कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने कुछ दिनों पहले स्मार्ट सिटी 4.0 नाम से एक कार्य योजना लांच की है। इसके तहत जनवरी 2018 में देश का पहला सिटी को-इनोवेशन लैब इलाहाबाद काम करना शुरू कर देगा। इस लैब में विकसित प्रौद्योगिकी स्मार्ट सिटीज के विकास में अहम टूल्स साबित होगा।

क्या है योजना

यह एक ऐसी कार्ययोजना है जिसमें स्मार्ट सिटी के विकास के लिए युवा उद्यमी व छात्र आइडिया पर काम करेंगे। इसमें स्थानीय जरूरतों पर जोर दिया जाएगा, ताकि स्मार्ट सिटी विकसित करने की प्रक्रिया में सोशल इम्पैक्ट भी उभरकर आए। इसी के तहत इलाहाबाद में इंडिया स्मार्ट सिटी को-इनोवेशन लैब स्थापित होना है।

लैब का मकसद

8 से 29 साल तक के युवाओं में नवाचारी आइडिया के क्षेत्र में सक्रिय रूप से भागीदार बनाना। उन्हें शहरी जरूरतों के हिसाब से स्मार्ट सॉल्यूशन निकालने के लिए प्रेरित करना। उच्च शिक्षा व्यवस्था को औद्योगिक व प्रौद्योगिक जरूरतों से जोड़ना, ताकि शहर में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण को बढ़ावा मिले।

एक साल में 20 स्टार्टअप की योजना

जल, ऊर्जा, परिवहन, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल, जलवायु व स्मार्ट कृषि जैसी जरूरतों पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया है। इसके लिए एआई का प्रयोग किया जाएगा।

ये हैं मेंटर

यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया स्टेटजिक पार्टनरशिप फोरम के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। कैलिफोर्निया और इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ इसके मेंटर होंगे।

अन्य 10 शहर

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों का कहना है कि बेंगलूर, पुणे और विशाखाटनम की तर्ज पर अन्य शहरों 10 शहरों में भी लैब बनेंगे।

इंटरनेशनल डवलपमेंट, इनोवेशन एसीलरेशन ग्रुप के निदेशक मानव सुबोध का कहना है कि एक साल में ऐसे 15 से 20 स्टार्टअप स्थापित करने की योजना है।

स्टार्टअप्स कोट्स

कोई भी संस्था काम करने वालों से बनती है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि उसकी इमारत कैसी है।

डी हॉक, उद्यमी, अमरीका

तकनीक आने से पहले समस्या समाधान के हल पर जोर देने से मामला बनेगा। -ईडी आंद्रे मार्किंस, सदस्य, अमरीकी इनोवेशन एसीलरेशन ग्रुप

एक्सपर्ट्स...

मॉडल पर तेजी से चल रहा है काम

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के बॉटनी विभाग के प्रोफेसर व नेशनल इनोवेशन सेंटर (एनआईएफ) इंडिया के



प्रतिनिधि अनुपम दीक्षित का कहना है कि इलाहाबाद को स्मार्ट सिटी

बनाने के लिए सिटी इनोवेशन कल्चर (शहरी नवाचार संस्कृति) पर काम चल रहा है। खासतौर से ग्रामीण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, ताकि युवाओं का गांवों से शहरों की ओर पलायन को रोका जा सके।